



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 465]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 20, 2009/श्रावण 29, 1931

No. 465]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 20, 2009/SRAVANA 29, 1931

रक्षोपाय, सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
महानिदेशालय

रक्षोपाय जाँच की शुरुआत की सूचना

[सीमा-शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं
निर्धारण) नियम, 1997 के नियम 6 के अंतर्गत]

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2009

विषय : भारत में कास्टिक सोडा के आयातों से संबंधित रक्षोपाय
जाँच की शुरुआत ।

सा.का.नि. 592(अ).—भारत में कास्टिक सोडा के संवर्धित आयातों के कारण हुई गंभीर क्षति/उत्पन्न गंभीर क्षति के खतरे से कास्टिक सोडा के घरेलू उत्पादकों की रक्षा करने के लिए भारत में कास्टिक सोडा के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने हेतु अल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएमआई) द्वारा सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 के नियम 5 के अंतर्गत मेरे समक्ष एक आवेदन दायर किया गया है ।

घरेलू उद्योग : कास्टिक सोडा के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए यह आवेदन अल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएमआई) तीसरा तल, पंकज चैम्बर्स, प्रीत विहार, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, विकास मार्ग, नई दिल्ली-110092 द्वारा दायर किया गया है । आवेदक ने कुछेक कंपनियों के आंकड़ों का खुलासा किया है, जिनका उत्पादन भारतीय उत्पादन का 35% बनता है । उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि “प्रमुख हिस्से” का तात्पर्य 50% से अधिक नहीं है । अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने ब्राजील के कुक्कुट के बारे में अर्जेंटीना-निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के मामले में पैनल की रिपोर्ट का हवाला दिया है । तथापि, आवेदक द्वारा दिए गए तर्क की विधिमान्यता की जाँच किए बिना यह उचित समझा गया है

3024 GI/2009

कि कास्टिक सोडा की निम्नलिखित तरह विनिर्माता इकाइयों को घरेलू उद्योग माना जाए जिनका उत्पादन भारत के कुल घरेलू उत्पादन के 65% से अधिक बनता है । ये इकाइयाँ हैं: —

- (i) मै. पंजाब अल्कलीज एंड कैमिकल्स लि. (इकाई-I व II), नांगल उना रोड, नया नांगल, जिला-रोपड़, पंजाब
- (ii) मै. सोल कैमिकल कॉम्प्लेक्स (मवाना सुगर्स लि. की एक इकाई) ग्राम खडौली, चरत्रमपुर, राजपुरा, जिला-पटियाला
- (iii) मै. ग्रासिम इंड. लि., कैमिकल डिवीजन, पी.ओ. बिरला ग्राम, नागदा (मध्य प्रदेश)
- (iv) मै. गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल्स लि., दाहेज, पी. ओ. दाहेज, ता. वागरा, जिला-भरूच
- (v) मै. गुजरात अल्कलीज एंड कैमिकल्स लि., बड़ोदा, पी. ओ. पेट्रोकेमिकल्स, रनोली, बड़ोदा-391346
- (vi) डीसीएम श्रीराम, श्रीराम फर्टिलाइजर एंड कैमिकल्स, डीएससीएल की एक इकाई, कोटा
- (vii) श्रीराम अल्कली एंड कैमिकल्स, 749, जीआईडीसी इंड. एस्टेट, झगादिया, जिला भरूच, गुजरात-393110
- (viii) मै. रिलायंस इंड. लि., दाहेज, दाहेज मैन्यू डिवीजन, पी.ओ. दाहेज, जिला-भरूच, गुजरात-392130
- (ix) मै. डीसीडब्ल्यू लि., साहपुरम, जिला तूतीकोरिन
- (x) इंडियन रेयॉन, आदित्य बिरला की एक इकाई, नुवो लि., जूनागढ़-वेरावल रोड, वेरावल, जिला-जूनागढ़, पिन-362012
- (xi) मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि., प्लॉट सं. 12-1, जीआईडीसी इंड. एरिया, दाहेज, भरूच-गुजरात

(1)

- (xii) मै. कनोरिया कैमिकल्स एंड इंड. लि., पी. ओ. रेनकोट-231217, जिला सोनभद्र
- (xiii) आदित्य बिरला कैमिकल्स (आई) लि., (पूर्ववर्ती मै. बिहार कास्टिक एंड कैमिकल्स) गढ़वा रोड, स्थान एवं पी.ओ. रेहला, जिला पलामू (झारखंड)

3. शामिल उत्पाद : आवेदकों ने भारत में “सोडियम हाइड्रॉक्साइड, जिसे तरल रूप में कास्टिक सोडा के नाम से भी जाना जाता है” के संबंधित आयातों द्वारा घरेलू उत्पादकों को हुई गंभीर क्षति का आरोप लगाया है। कास्टिक सोडा सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I के उप-शीर्ष सं. 2815 के अंतर्गत वर्गीकृत है। कास्टिक सोडा को रसायनिक रूप से एनएओएच के नाम से जाना जाता है। कास्टिक सोडा साबुन जैसा तीखी अल्कलाइन गंधरहित तरल पदार्थ है जिसका व्यापक उपयोग विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में कच्ची सामग्री तथा रसायन के रूप में किया जाता है। इसका उपयोग सुग्दी एवं कागज, अखबारी कागज, विस्कोस यॉर्न, स्टेपल फाइबर, एल्यूमीनियम, कॉटन आदि के विनिर्माण में किया जाता है। भारतीय उद्योग द्वारा कास्टिक सोडा का उत्पादन केवल दो प्रौद्योगिकियों अर्थात् मर्करी सेल प्रौद्योगिकी तथा मेम्ब्रेन सेल प्रौद्योगिकी के उपयोग से किया जाता है।

4. आयात शुल्क : उत्पाद पर आयात शुल्क निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :—

तालिका-1

वर्ष	मूल शुल्क %
2005-06	15%
2006-07	12.5%
2007-08	10%
2008-09	7.5%
2009-10	7.5%

5. संबंधित आयात : विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में और घरेलू बाजार के आकार की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी है। वर्ष 2005-06 से 2009-10 (जुलाई, 2009 तक) के दौरान कास्टिक सोडा के आयात निम्नानुसार रहे हैं। चूंकि वर्ष 2009-10 के आयात के आंकड़ों पर भी विचार किया जा रहा है इसलिए वर्ष 2005-06, 2006-07 तथा 2007-08 के लिए औसत मासिक आयातों का उपयोग परवर्ती महीनों के वास्तविक मासिक आयात के आंकड़ों के साथ तुलना हेतु किया गया है।

तालिका-2

अवधि	आयात की मात्रा (मी. टन)	कीमत (रु./कि.ग्रा.)
2005-06		
2006-07		
तथा 2007-08 के मामले में औसत मासिक		
1	2	3
2005-06	3499	14.14
2006-07	9558	15.40

1	2	3
2007-08	11018	14.59
अप्रैल 2008	18,620	14.45
मई 2008	17,949	19.08
जून 2008	22,611	13.66
जुलाई 2008	2,082	21.09
अगस्त 2008	30,792	13.69
सितम्बर 2008	6,058	15.02
अक्टूबर 2008	6,062	16.48
नवम्बर 2008	0	—
दिसम्बर 2008	0	—
जनवरी 2009	13,815	13.54
फरवरी 2009	37,456	14.44
मार्च 2009	22,066	14.30
अप्रैल 2009	33,177	15.18
मई 2009	21,564	16.40
जून 2009	34,387	14.39
जुलाई 2009	25,866	12.45

स्रोत : वर्ष 2007-08 तक डीजीसीआई एंड एस के आंकड़े, अप्रैल, 2008, जून, 2009 तक आईबीआईएस के आंकड़े और जुलाई, 2009 के लिए डीओवी के आंकड़े जो आवेदकों ने उपलब्ध कराए हैं।

उत्पादन की तुलना में संबंधित आयात : उत्पादन की तुलना में आयात में वृद्धि हुई है और यह बढ़कर अधिकतम 13.93% हो गए हैं जिसका निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है।

तालिका-3

अवधि	भारतीय उत्पादन की तुलना में आयात का हिस्सा [आयात/(आयात-उत्पादन)]
2005-06	2.12
2006-07	5.43
2007-08	5.76
2008-09	7.47
2009-10 (पहली तिमाही)	13.93

5. गंभीर क्षति या गंभीर क्षति का खतरा : घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि कास्टिक सोडा के संबंधित आयातों द्वारा कास्टिक सोडा के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है और गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने यह भी तर्क किया है कि संबंधित आयात उस कीमत पर हो रहे हैं जिस कीमत पर घाटा उठाए बिना और गंभीर क्षति तथा भरपाई न किए जाने योग्य नुकसान हुए बिना उत्पाद का उत्पादन करना और उसकी बिक्री करना संभव नहीं है।

तालिका-4

अवधि	लवण की औसत कीमत	औसत विद्युत प्रभार	आयात कीमत	निर्यात की अंतर्राष्ट्रीय कीमत (अम. डा. में)		
	क	ख	ग	घ	ङ	च
	(रु./मी. टन)	(रु. कि.वा.घ.)	(रु. कि.ग्रा.)	उत्तरी अमेरिका	यूरोप	एशिया
2005-06	754	4.94	14.14	-	-	-
2006-07	859	5.01	15.40	-	-	-
2007-08	915	4.40	14.59	-	-	-
अप्रैल '08	1,022	4.38	14.45	550-560	420-440	365-387
मई '08	1,028	4.66	19.08	580-600	465-485	420-450
जून '08	1,021	4.61	13.66	-	-	-
जुलाई '08	1,029	4.59	21.09	830-850	620-650	500-550
अगस्त '08	1,126	4.71	13.69	830-850	700-740	580-635
सितम्बर '08	1,161	4.78	15.02	830-850	710-750	490-580
अक्तूबर '08	1,258	4.69	16.48	830-850	710-750	450-470
नवम्बर '08	1,314	4.76	-	830-850	620-650	400-470
दिसम्बर '08	1,333	4.77	-	830-850	600-640	400-470
जनवरी '09	1,371	4.81	13.54	830-850	600-640	360-450
फरवरी '09	1,361	4.84	14.44	820-850	600-640	310-390
मार्च '09	1,354	4.86	14.30	775-810	540-560	200-310
अप्रैल '09	1,187	4.58	15.18	225-325	200-250	200-250
मई '09	1,175	4.76	13.93	130-160	170-200	200-240
जून '09	1,184	4.76	14.39	90-110	90-120	170-200
जुलाई '09	1,205	4.76	12.45	35-75	50-60	130-150

स्रोत : क, ख एवं ग - घरेलू उद्योग; घ, ङ एवं च-हरिमन कैमसल्ट लि.।

(क) बाजार हिस्सा : घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2006-07 में 60.03% से बढ़कर 2007-08 में 62.04% हो गया। परंतु वर्ष 2008-09 में घटकर 60.79% और 2009-10 की प्रथम तिमाही में घटकर 58.16% हो गया जो 2005-06 के बाद न्यूनतम है।

तालिका-5

अवधि	घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग का हिस्सा
2005-06	61.98
2006-07	60.03
2007-08	62.04
2008-09	60.79
2009-10 (पहली तिमाही)	58.16

(ख) उत्पादन एवं बिक्री : घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में मामूली वृद्धि प्रदर्शित हुई है, परंतु यह वृद्धि घरेलू बाजार के हिस्से में वृद्धि से काफी कम है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है।

तालिका-6

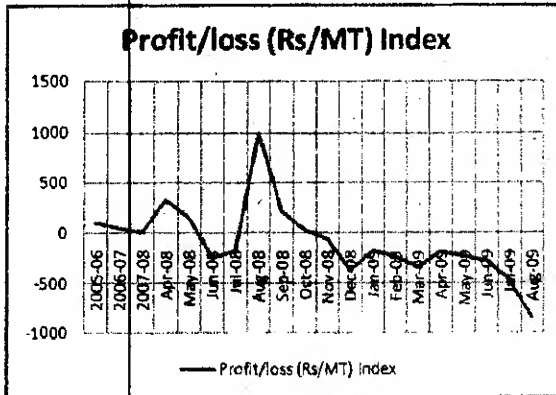
अवधि	घरेलू बाजार का कुल आकार (डोएमटी)	उत्पादन	बिक्री
2005-06	1335219	1167992	827581
2006-07	1474482	1274675	885142
2007-08	1548238	1410014	960512
2008-09	1660954	1459169	1009732
2009-10 (पहली तिमाही)	440883	376491	256423

(ग) क्षमता उपयोग : वर्ष 2009-10 की प्रथम तिमाही के दौरान क्षमता उपयोग घटकर 85.79% हो गया है जो न्यूनतम है जैसाकि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है :

तालिका-7

अवधि	क्षमता उपयोग
2005-06	97.07
2006-07	92.45
2007-08	89.31
2008-09	86.24
2009-10 (पहली तिमाही)	85.79

(घ) घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि आयात कीमत में गिरावट आने के कारण उन्होंने घाटा उठाने के बावजूद एक अल्पाधिक उपाय के रूप में उत्पादन तथा बिक्री में कटौती करने के बजाय अपने ग्राहकों को बनाए रखने के प्रयास में अपनी कीमतों को तदनुसार समायोजित किया है। मै. जीएसीएल द्वारा उठाया गया सूचीबद्ध घाटा उदाहरण के तौर पर निम्नानुसार है :



6. घरेलू उत्पादकों ने कास्टिक सोडा के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। नुकसान पहुँचाने वाली आपात परिस्थितियों, जिनमें इसकी भरपाई कठिन होगी, के मद्देनजर उन्होंने अर्न्तम रक्षोपाय शुल्क तुरंत लागू करने का भी अनुरोध किया है।

7. प्राप्त आवेदन एवं सूचना की जाँच की गई है और यह पाया गया है कि कास्टिक सोडा के संबंधित आयातों से प्रथमदृष्टया कास्टिक सोडा के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हो रही है/गंभीर क्षति का खतरा उत्पन्न हो रहा है। तदनुसार, इस सूचना के जरिए जाँच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

8. समस्त हितबद्ध पार्टियाँ निम्नलिखित पते पर इस सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती हैं ताकि महानिदेशक द्वारा किए जाने वाले अंतिम निर्धारण में उन पर विचार किया जा सके।

महानिदेशक (रक्षोपाय)

भाई वीर सिंह मार्ग,

भाई वीर सिंह साहित्य सदन, दूसरा तल,
गोल मार्केट,
नई दिल्ली-110001

भारत

टेलीफैक्स : 23741542, 23741537

ई-मेल : dgsafeguards@nic.in

9. समस्त ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से भी लिखा जा रहा है।

10. जाँच से संबंधित कोई अन्य पार्टी, जो एक हितबद्ध पार्टी के रूप में विचार किए जाने की इच्छुक है, अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकती है जिसे इस सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास पहुँच जाना चाहिए।

[फा. सं. 2211/47/09]

प्रवीन महाजन, महानिदेशक (रक्षोपाय)

DIRECTORARE GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION

[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

New Delhi, the 20th August, 2009

Sub : Initiation of safeguard investigation concerning Imports of Caustic Soda into India.

G.S.R. 592(E).—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by Alkali Manufacturers Association of India (AMAI) for imposition of Safeguard Duty on imports of Caustic Soda into India to protect the domestic producers of Caustic Soda against serious injury/threat of serious injury caused by the increased imports of Caustic Soda into India.

Domestic Industry: The application has been filed by Alkali Manufacturers Association of India (AMAI), 3rd Floor, Pankaj Chambers, Preet Vihar Commercial Complex, Vikas Marg, New Delhi-110092 for imposition of Safeguard Duty on Imports of Caustic Soda. The applicant has disclosed the data of certain companies who constitute 35% of Indian production. They have also contended that 'major' does not mean more than 50%. In support of their contention they have referred to Report of the Panel in the matter of Argentina Definitive Anti-Dumping Duties on Poultry from Brazil. However, without going into legality of the contention made by the applicant, it has been considered prudent to consider the following thirteen manufacturing units of Caustic Soda as domestic industry, which constitute more than 65% of the total domestic production of India. These units are :

- (i) M/s. Punjab Alkalies & Chemicals Ltd. (Unit I & II), Nangal Una Road, Naya Nangal, Distt. Ropar, Punjab.
- (ii) M/s. Siel Chemical Complex (A unit of Mawana Sugars Ltd.), Vill. Khadauli, Charatrampur, Rajpura, Distt.-Patiala.
- (iii) M/s. Grasim Industries Ltd., Chemical Division, P.O. -Birlagram, Nagda (M.P.).
- (iv) M/s. Gujarat Alkalies, and Chemicals Ltd., Dahej, P.O.-Dahej, Ta-Vagra, Distt.-Bharuch.
- (v) M/s. Gujrat Alkalies and Chemicals Ltd., Baroda, P.O. Petrochemcials, Ranoli, Baroda - 391346.
- (vi) DCM Shriram, Shriram Fertiliser & Chemicals, A Unit of DSCL, Kota.
- (vii) Shriram Alkali & Chemicals, 749, GIDC Indl. Estate, Jhagadia, Distt. Bharuch, Gujarat - 393 110
- (viii) M/s. Reliance Industries, Ltd., Dahej, Dahej Mfg. Div. P.O.-Dahej, Distt.-Bharuch, Gujarat - 392130.
- (ix) M/s. DCW Ltd., Sahapuram, Distt.-Tuticorin
- (x) Indian Rayon, A unit of Aditya Birla, Nuvo Ltd., Junagarh - Veraval Road, Viraval, Distt. - Junagarh, PIN - 362012.
- (xi) M/s. Gujrat Fluoro Chemicals Ltd., Plot No. 12-A, GIDC, Industrial Area, Dahej, Bharuch - Gujarat
- (xii) M/s. Kannoria Chemicals & Industries Ltd., P.O. - Renukot - 231217, Distt. - Sonebhadra.
- (xiii) Aditya Birla Chemicals (I) Ltd., (formerly M/s. Bihar Caustic & Chemicals), Garhwa Road, At & P.O. Rehla, Distt. Palamu (Jharkhand).

3. Product Involved: The applicants have alleged serious injury caused to the domestic producers by the increased imports of "Sodium Hydroxide also known as Caustic Soda in lye form" into India. Caustic Soda is classified under sub-heading No. 2815 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. Caustic Soda is chemically known as NaOH. Caustic Soda is a soapy, strongly alkaline odorless liquid widely used in diverse industrial sectors, either as a raw material or as an auxiliary chemical. It is used in manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn, staple fiber, aluminum, cotton etc. Indian industry is producing Caustic Soda using only two technologies viz. Mercury Cell technology and Membrane Cell technology.

4. Import Duty: The import duty on the product is provided in Table below:

TABLE-1

Year	Basic Duty %
2005-06	15%
2006-07	12.5%
2007-08	10%
2008-09	7.5%
2009-10	7.5%

5. Increased Imports: The imports of the product under consideration have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic market size. The imports of Caustic Soda during 2005-06 to 2009-10 (upto July, 2009) are as under. As the imports figures of 2009-10 are also being considered, the average monthly imports for the year 2005-06, 2006-07 and 2007-08 has been used for comparison with the actual monthly import data of the subsequent months.

TABLE-2

Period	Quantity Import (MT)	Price (Rs./Kg.)
	Average Monthly in case of 2005-06, 2006-07 & 2007-08	
2005-06	3499	14.14
2006-07	9558	15.40
2007-08	11018	14.59
April '08	18,620	14.45
May '08	17,949	19.08
June '08	22,611	13.66
July '08	2,082	21.09
August '08	30,792	13.69
September '08	6,058	15.02
October '08	6,062	16.48
November '08	0	—
December '08	0	—
January '09	13,815	13.54
February '09	37,456	14.44
March '09	22,066	14.30
April '09	33,177	15.18
May '09	21,564	16.40
June '09	34,387	14.39
July '09	25,866	12.45

Source: DGCI&S data till 2007-08, IBIS Data from April '08-June '09 and DOV data for July '09 as provided by the applicants.

Increased import relative to production: The import has also increased relative to production and increased to the maximum of 13.93% as apparent from the Table below :

3024 GI/09-2

TABLE-3

Period	Share of Import relative to Indian Production [import/(import + production)]
2005-06	2.12
2006-07	5.43
2007-08	5.76
2008-09	7.47
2009-10 (1st qtr.)	13.93

6. Serious Injury or Threat of Serious injury:

The domestic industries have submitted that increased imports of Caustic Soda have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Caustic Soda. They have also contended that the increased imports are at a price at which it is not possible to produce and sell without incurring losses and suffering serious injury as well as irreparable damage. The data provided by the applicants are as follows:

TABLE-4

Period	Average Price of Salt	Average Electricity Charges	Import Price	International Prices for Export (in US \$)		
	a	b	c	d	e	f
	(Rs./MT)	(Rs./Kwh)	(Rs./Kg)	North America	Europe	Asia
2005-06	754	4.94	14.14	—	—	—
2006-07	859	5.01	15.40	—	—	—
2007-08	915	4.40	14.59	—	—	—
April '08	1,022	4.38	14.45	550-560	420-440	365-387
May '08	1,028	4.66	19.08	580-600	465-485	420-450
June '08	1,021	4.61	13.66	—	—	—
July '08	1,029	4.59	21.09	830-850	620-650	500-550
August '08	1,126	4.71	13.69	830-850	700-740	580-635
September '08	1,161	4.78	15.02	830-850	710-750	490-580
October '08	1,258	4.69	16.48	830-850	710-750	450-470
November '08	1,314	4.76	—	830-850	620-650	400-470
December '08	1,333	4.77	—	830-850	600-640	400-470
January '09	1,371	4.81	13.54	830-850	600-640	360-450
February '09	1,361	4.84	14.44	820-850	600-640	310-390
March '09	1,354	4.86	14.30	775-810	540-560	200-310
April '09	1,187	4.58	15.18	225-325	200-250	200-250
May '09	1,175	4.76	13.93	130-160	170-200	200-240
June '09	1,184	4.76	14.39	90-110	90-120	170-200
July '09	1,205	4.76	12.45	35-75	50-60	130-150

SOURCE: a, b and c - domestic industry; d, e and f - Harriman Chemsult Ltd.

TABLE-5

(a) **Market Share :** The market share of domestic industry had gone up to 62.04% in 2007-08 from 60.03% in 2006-07 but fell down to 60.79% in 2008-09 and 58.16% in the first quarter of 2009-10, which is the minimum since 2005-06.

Period	Share of Domestic Industry in Domestic market
2005-06	61.98
2006-07	60.03
2007-08	62.04
2008-09	60.79
2009-10 (1st qtr.)	58.16

- (b) **Production and Sales :** The production and sales of Domestic industry have shown slight growth, but the growth is much less than the growth of the size of domestic market, as apparent from the table below.

TABLE-6

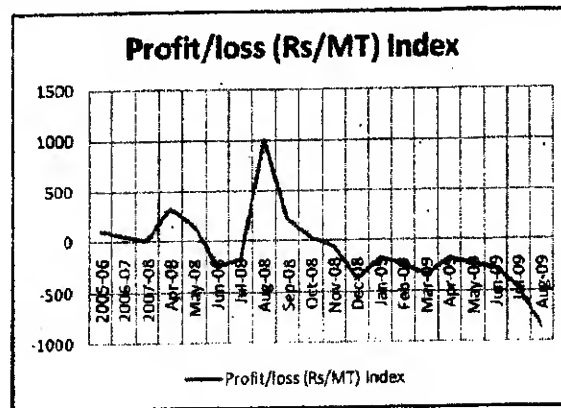
Period	Total Size of domestic market(DMT)	Production	Sales
2005-06	1335219	1167992	827581
2006-07	1474482	1274675	885142
2007-08	1548238	1410014	960512
2008-09	1660954	1459169	1009732
2009-10 (1st qtr.)	440883	376491	256423

- (c) **Capacity Utilization :** The capacity utilization has gone down to 85.79% during first quarter 2009-10, which is the minimum as apparent from the table below.

TABLE-7

Period	Capacity Utilization
2005-06	97.07
2006-07	92.45
2007-08	89.31
2008-09	86.24
2009-10 (1st qtr.)	85.79

- (d) The domestic industry has submitted that with the fall in import prices, they have correspondingly adjusted their prices in an effort to retain their customers instead of cutting in the productions and sales, as a short-term measure even though it is leading to losses. The indexed losses incurred by M/s. GACL as an example is as follows :



6. The domestic producers have requested for imposition of Safeguard Duty on Imports of Caustic Soda. They have also requested for an immediate imposition of Provisional Safeguard Duty in the light of critical circumstances leading to damage which will be difficult to repair.

7. The application and information received have been examined and it is found that prima facie increased imports of Caustic Soda are causing /threatening to cause serious injury to the domestic producers of Caustic Soda. Accordingly, it has been decided to initiate an investigation through this notice.

8. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to the address below so that the same may be considered in final determination that may be made by the Director General :

The Director General (Safeguards)
Customs & Central Excise,
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan : 2nd Floor,
Bhai Vir Singh Marg, Gole Market,
New Delhi-110001
INDIA.
Telefax: 2374142/23741537
E-mail : dg_safeguards@nic.in

9. All known interested parties are also being addressed separately.

10. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) within 21 days from the date of this notice.

[F. No. D-22011/47/09]

PRAVEEN MAHAJAN, Director General (Safeguards)